

## अनुक्रमणिका

### अद्वैतदर्शनम्

|                                                       |    |
|-------------------------------------------------------|----|
| १.१ उपक्रमः .....                                     | ५  |
| १.१.१ अद्वैतवेदान्तपदनिर्वचनम् .....                  | ७  |
| १.१.२ प्रस्थानत्रयपरिचयः .....                        | ८  |
| १.१.२.१ श्रुतिप्रस्थानम् .....                        | ८  |
| १.१.२.२ स्मृतिप्रस्थानम् .....                        | १० |
| १.१.२.३ सूत्रप्रस्थानम् (न्यायप्रस्थानम्) .....       | ११ |
| १.२ आचार्यपरम्परा .....                               | १३ |
| १.२.१ श्रीशङ्कराचार्यः (७८८-८२० A.D.) .....           | १३ |
| १.२.२ श्रीशङ्कराचार्यात्प्राचीना अद्वैताचार्याः ..... | १४ |
| १.२.२.१ काशकृत्स्नः .....                             | १४ |
| १.२.२.२ द्रविडाचार्यः .....                           | १५ |
| १.२.२.३ ब्रह्मनन्दी .....                             | १५ |
| १.२.२.४ बादरायण-व्यासः .....                          | १६ |
| १.२.२.५ गौडपादाचार्यः (५०० A.D.) .....                | १६ |
| १.२.३ श्रीशङ्कराचार्यादप्राचीना अद्वैताचार्याः .....  | १७ |
| १.२.३.१ पद्मपादाचार्यः (८०० A.D.) .....               | १७ |
| १.२.३.२ सुरेश्वराचार्यः (८०० A.D.) .....              | १८ |
| १.२.३.३ वाचस्पतिमिश्रः (८४२ A.D.) .....               | १८ |
| १.२.३.४ चित्सुखाचार्यः (११२०-१२२० A.D.) .....         | १९ |
| १.२.३.५ आनन्दगिरिः (१२६०-१३२० A.D.) .....             | २० |
| १.२.३.६ विद्यारण्यः (१२९६-१३८६ A.D.) .....            | २० |
| १.२.३.७ अप्पय्यदीक्षितः (१५२०-१५९३ A.D.) .....        | २१ |
| १.२.३.८ मधुसूदनसरस्वती (१५६५-१६६५ A.D.) .....         | २१ |

|                                              |    |
|----------------------------------------------|----|
| १.३ प्रमाणविचारः .....                       | २३ |
| १.३.१ प्रत्यक्षम्.....                       | २४ |
| १.३.२ अनुमानम्.....                          | ३४ |
| १.३.३ उपमानम् .....                          | ३६ |
| १.३.४ आगमः.....                              | ३७ |
| १.३.५ अर्थापत्तिः.....                       | ४३ |
| १.३.६ अनुपलब्धिः.....                        | ४४ |
| १.४ प्रमेयविचारः.....                        | ४६ |
| १.४.१ अद्वैतवेदान्ते पदार्थविभागविचारः ..... | ४६ |
| १.४.१.१ दृक्पदार्थविचारः .....               | ४७ |
| १.४.१.१.१ जीवः .....                         | ४७ |
| १.४.१.१.२ ईश्वरः.....                        | ४८ |
| १.४.१.१.२.१ ईश्वरस्य जगत्कारणत्वम्.....      | ४९ |
| १.४.१.१.२.२ ईश्वरस्य जगत्कर्तृत्वम्.....     | ५२ |
| १.४.१.१.२.३ ईश्वरस्य सर्वज्ञत्वम् .....      | ५२ |
| १.४.१.१.३ साक्षी .....                       | ५३ |
| १.४.१.२ दृश्यम्.....                         | ५८ |
| १.४.१.२.१ अव्याकृतम्.....                    | ५८ |
| १.४.१.२.२ अमूर्तम्.....                      | ६० |
| १.४.१.२.३ मूर्तम्.....                       | ६१ |
| १.५ बन्धः, बन्धहेतुश्च .....                 | ६७ |
| १.६ मोक्षोपायविचारः .....                    | ६८ |
| १.६.१ ब्रह्मज्ञानसाधनानि.....                | ६९ |
| १.६.२ कर्मणां मोक्षकारणत्वविचारः .....       | ७३ |
| १.६.३ ब्रह्मज्ञानोत्पत्तौ करणत्वविचारः ..... | ७४ |
| १.७ मुक्तिविचारः.....                        | ७७ |
| १.७.१ क्रममुक्तिः .....                      | ७९ |

|       |                   |    |
|-------|-------------------|----|
| १.७.२ | जीवन्मुक्तिः..... | ८१ |
| १.७.३ | विदेहमुक्तिः..... | ८४ |
| १.८   | उपसंहारः.....     | ८४ |

## विशिष्टाद्वैतदर्शनम्

|        |                                                |     |
|--------|------------------------------------------------|-----|
| २.१    | प्रस्तावना.....                                | ८९  |
| २.१.१  | दर्शनेषु विशिष्टाद्वैतस्य स्थानम्.....         | ८९  |
| २.१.२  | विशिष्टाद्वैतम् इति शब्दस्य अर्थः.....         | ९०  |
| २.१.३  | चेतनः अचेतनः च.....                            | ९०  |
| २.१.४  | अपृथक्सिद्धत्वम्.....                          | ९१  |
| २.१.५  | विशिष्टाद्वैतवेदान्तस्य मुख्यः ग्रन्थः.....    | ९१  |
| २.१.६  | श्रीभाष्यस्य वैशिष्ट्यम्.....                  | ९२  |
| २.१.७  | विशिष्टाद्वैतस्य सारः.....                     | ९३  |
| २.२    | विशिष्टाद्वैतवेदान्तस्य आचार्यपरम्परा.....     | ९४  |
| २.२.१  | विशिष्टाद्वैतवेदान्तस्य प्रमुखाः आचार्याः..... | ९४  |
| २.२.२  | प्राचीनाचार्याः तेषां च ग्रन्थाः.....          | ९४  |
| २.३    | तत्त्वमीमांसा.....                             | ९६  |
| २.३.१  | जीवः.....                                      | ९६  |
| २.३.२  | अविद्या.....                                   | ९७  |
| २.३.३  | आश्रयानुपपत्तिः.....                           | ९८  |
| २.३.४  | तिरोधानानुपपत्तिः.....                         | ९८  |
| २.३.५  | स्वरूपानुपपत्तिः.....                          | ९९  |
| २.३.६  | सदसदनिर्वचनीयत्वानुपपत्तिः.....                | ९९  |
| २.३.७  | सदसद्भिन्नत्वानुपपत्तिः.....                   | १०० |
| २.३.८  | प्रमाणानुपपत्तिः.....                          | १०१ |
| २.३.९  | निवर्तकानुपपत्तिः.....                         | १०३ |
| २.३.१० | निवृत्त्यनुपपत्तिः.....                        | १०३ |

|            |                                           |     |
|------------|-------------------------------------------|-----|
| २.३.११     | ईश्वरः.....                               | १०४ |
| २.३.११.१   | ईश्वरस्य लक्षणानि .....                   | १०४ |
| २.३.११.१.१ | सर्वनियन्तृत्वम्.....                     | १०४ |
| २.३.११.१.२ | ईश्वरस्य इतरलक्षणानि.....                 | १०४ |
| २.३.११.२   | लक्षणस्य लक्षणम्.....                     | १०५ |
| २.३.११.३   | ईश्वरस्य स्वरूपलक्षणम् .....              | १०५ |
| २.३.११.४   | सर्वे शब्दाः भगवद्वाचकाः .....            | १०५ |
| २.३.११.५   | अपर्यवसानवृत्तिः .....                    | १०६ |
| २.३.११.६   | शरीरशरीरिभावः अपृथक्सिद्धिसम्बन्धश्च .... | १०७ |
| २.३.११.७   | भगवतः वैशिष्ट्यम्.....                    | १०९ |
| २.३.११.७.१ | रामाद्यवतारनिरूपणम् .....                 | १०९ |
| २.३.११.७.२ | भगवतः निर्विकारत्वं जगत्कारणत्वं च.....   | १०९ |
| २.३.११.८   | भगवतः शास्त्रैकवेद्यत्वम्.....            | १११ |
| २.३.११.९   | सृष्टिप्रकारः .....                       | ११२ |
| २.३.११.९.१ | ब्रह्मणः उपादानकारणत्वम्.....             | ११२ |
| २.३.११.९.२ | पञ्चीकरणम्.....                           | ११२ |
| २.३.११.१०  | भगवतः अवताराः .....                       | ११३ |
| २.४        | ज्ञानमीमांसा .....                        | ११४ |
| २.४.१      | ज्ञाननिरूपणम् .....                       | ११४ |
| २.४.२      | आत्मनो नित्यत्वे प्रमाणम् .....           | ११५ |
| २.४.३      | सर्वं ज्ञानं यथार्थम् .....               | ११६ |
| २.४.४      | स्मृतिः प्रत्यक्षं च.....                 | ११७ |
| २.४.४.१    | स्मृतेः पृथक् प्रमाणत्वाभावः .....        | ११८ |
| २.४.४.२    | अनुभवः.....                               | ११८ |
| २.४.४.२.१  | अनुभवस्य विभागः.....                      | ११८ |
| २.४.४.३    | प्रत्यक्षस्य लक्षणम्.....                 | ११९ |
| २.४.४.४    | इन्द्रियनिरपेक्षप्रत्यक्षस्य भेदः.....    | ११९ |
| २.४.४.५    | प्रकारान्तरेण प्रत्यक्षस्य विभागौ.....    | १२० |

|             |                                         |     |
|-------------|-----------------------------------------|-----|
| २.४.४.५.१   | इन्द्रियजन्यप्रत्यक्षस्य विभागौ .....   | १२० |
| २.४.४.५.१.१ | निर्विकल्पकं प्रत्यक्षम् .....          | १२० |
| २.४.४.५.१.२ | सविकल्पकं प्रत्यक्षम् .....             | १२१ |
| २.४.४.५.२   | योगजन्यं प्रत्यक्षम् .....              | १२२ |
| २.४.४.६     | शाब्दापरोक्षानङ्गीकारः .....            | १२२ |
| २.४.४.७     | सन्निकर्षः .....                        | १२३ |
| २.४.५       | अनुमानम् .....                          | १२३ |
| २.४.५.१     | पक्षादीनां निरूपणम् .....               | १२४ |
| २.४.५.२     | व्याप्यव्यापकौ .....                    | १२४ |
| २.४.५.३     | व्याप्तिः .....                         | १२४ |
| २.४.५.३.१   | व्याप्तेः विभागः .....                  | १२५ |
| २.४.५.४     | उपाधिः .....                            | १२५ |
| २.४.५.४.१   | उपाधिभेदौ .....                         | १२५ |
| २.४.५.४.१.१ | निश्चितः उपाधिः .....                   | १२५ |
| २.४.५.४.१.२ | शङ्कितः उपाधिः .....                    | १२६ |
| २.४.५.५     | हेतुरूपाणि .....                        | १२६ |
| २.४.५.६     | अनुमानस्य अङ्गानि .....                 | १२७ |
| २.४.५.७     | तार्किकपक्षे अनुमानस्य पञ्चावयवाः ..... | १२७ |
| २.४.५.८     | हेत्वाभासाः .....                       | १२८ |
| २.४.६       | शब्दप्रमाणम् .....                      | १३० |
| २.४.६.१     | शब्दप्रमा .....                         | १३० |
| २.४.६.२     | व्युत्पत्तिसम्भवः .....                 | १३१ |
| २.४.६.२.१   | यादृच्छिकी व्युत्पत्तिः .....           | १३१ |
| २.४.६.२.२   | बुद्धिपूर्वकव्युत्पत्तिः .....          | १३२ |
| २.४.६.३     | शब्दप्रमाणस्य फलम् .....                | १३२ |
| २.४.६.४     | सहकारिकारणम् .....                      | १३२ |
| २.४.६.५     | आगमः .....                              | १३३ |
| २.४.६.५.१   | आगमस्य विभागः .....                     | १३३ |

|           |                         |     |
|-----------|-------------------------|-----|
| २.४.६.५.२ | आगमयोः प्रामाण्यम्..... | १३३ |
| २.४.६.६   | शब्दवृत्तयः .....       | १३३ |
| २.४.६.६.१ | वृत्तेः विभागाः .....   | १३४ |
| २.४.६.७   | पुराणानि .....          | १३४ |
| २.४.६.७.१ | सात्त्विकपुराणानि ..... | १३५ |
| २.४.६.७.२ | राजसपुराणानि .....      | १३५ |
| २.४.६.७.३ | तामसपुराणानि.....       | १३५ |
| २.४.६.८   | वेदविभागः.....          | १३६ |
| २.४.६.८.१ | विधिविभागः.....         | १३६ |
| २.४.६.८.२ | वेदस्य अङ्गानि.....     | १३७ |
| २.४.६.९   | स्मृतिप्रमाणम् .....    | १३७ |
| २.५       | मुक्तिमीमांसा .....     | १३७ |
| २.५.१     | मोक्षहेतुः .....        | १३७ |
| २.५.२     | न्यासविद्या .....       | १४० |
| २.५.३     | अधिकारी .....           | १४१ |

### द्वैतदर्शनम् (माध्ववेदान्तः)

|       |                                               |     |
|-------|-----------------------------------------------|-----|
| ३.१   | उपक्रमः .....                                 | १४५ |
| ३.१.१ | को नाम द्वैतवादः.....                         | १४५ |
| ३.१.२ | वैदिकः द्वैतवादः .....                        | १४७ |
| ३.१.३ | द्वैतवाङ्मयविकासः .....                       | १४८ |
| ३.१.४ | तत्त्ववादः.....                               | १५० |
| ३.२   | माध्ववेदान्तपरम्परा .....                     | १५० |
| ३.२.१ | प्राचीनपरम्परा .....                          | १५० |
| ३.२.२ | मध्वाचार्याः (सा.श.१२३८ वर्षादारभ्य १३१७) ... | १५२ |
| ३.२.३ | मध्वाचार्याणां शिष्याः .....                  | १५२ |
| ३.२.४ | मध्वाचार्यकृतयः.....                          | १५३ |

|          |                                               |     |
|----------|-----------------------------------------------|-----|
| ३.२.५    | मध्वाचार्यप्रतिपादितानि प्रमुखतत्त्वानि.....  | १५५ |
| ३.२.६    | मध्वाचार्याणां साक्षाच्छिष्याः.....           | १५५ |
| ३.२.६.१  | श्रीसत्यतीर्थाः.....                          | १५५ |
| ३.२.६.२  | श्रीहृषीकेशतीर्थाः.....                       | १५५ |
| ३.२.६.३  | श्रीपद्मनाभतीर्थाः.....                       | १५६ |
| ३.२.६.४  | श्रीमदक्षोभ्यतीर्थाः.....                     | १५६ |
| ३.२.६.५  | श्रीमन्निविक्रमपण्डिताः.....                  | १५६ |
| ३.२.७    | परम्परागतशिष्याः.....                         | १५६ |
| ३.२.७.१  | श्रीनारायणपण्डिताः.....                       | १५६ |
| ३.२.७.२  | श्रीजयतीर्थाः (सा.श.१३४५ तः १३८८).....        | १५७ |
| ३.२.७.३  | श्रीविष्णुदासाचार्याः - (सा.श.१३९०-१४४०)..    | १६० |
| ३.२.७.४  | व्यासतीर्थाः (सा.श.१४७८-१५३९).....            | १६१ |
| ३.२.७.५  | श्रीविजयीन्द्रतीर्थाः (सा.श.१५०५-१५९५)....    | १६५ |
| ३.२.७.६  | श्रीवादिराजतीर्थाः (सा.श.१४८०-१६००).....      | १६९ |
| ३.२.७.७  | श्रीआनन्दभट्टारकाः (सा.श.१५३५-१६०५)...        | १७५ |
| ३.२.७.८  | श्रीवनमालिमिश्राः (सा.श.१६५०-१७२०).....       | १७५ |
| ३.२.७.९  | श्रीनारायणाचार्याः (सा.श.१६००-१७६०).....      | १७६ |
| ३.२.७.१० | श्रीसत्यनाथतीर्थाः (सा.श.१६६८-१६७४).....      | १७६ |
| ३.२.७.११ | श्रीरघूत्तमतीर्थाः (सा.श.१५५७-१५९७).....      | १७६ |
| ३.२.७.१२ | श्रीव्यासरामाचार्याः (सा.श.१५५०-१६२०)....     | १७७ |
| ३.२.७.१३ | गौडपूर्णानन्दाः.....                          | १७७ |
| ३.२.७.१४ | श्रीयदुपत्याचार्याः (सा.श.१५८०-१६३०).....     | १७७ |
| ३.२.७.१५ | श्रीरामचन्द्रतीर्थाः (सा.श.१५७५-१६३५).....    | १७७ |
| ३.२.७.१६ | श्रीसुधीन्द्रतीर्थाः (सा.श.१५९६-१६३२).....    | १७७ |
| ३.२.७.१७ | श्रीविद्याधीशतीर्थाः (सा.श.१६१९-१६३१).....    | १७८ |
| ३.२.७.१८ | श्रीराघवेन्द्रतीर्थः (सामान्यशके १५९७-१६७१).. | १७८ |

|                                               |     |
|-----------------------------------------------|-----|
| ३.३ प्रमाणनिरूपणम् .....                      | १८१ |
| ३.३.१ किन्नाम प्रमाणम् ? .....                | १८१ |
| ३.३.२ प्रमाणं द्विविधम् .....                 | १८३ |
| ३.३.३ केवलप्रमाणं चतुर्विधम् .....            | १८३ |
| ३.३.४ अनुप्रमाणम् .....                       | १८५ |
| ३.३.५ प्रत्यक्षम् .....                       | १८५ |
| ३.३.६ अनुमानम् .....                          | १८६ |
| ३.३.६.१ त्रिविधमनुमानम् .....                 | १८९ |
| ३.३.६.२ पुनर्द्विविधम् अनुमानम् .....         | १८९ |
| ३.३.६.३ पुनर्द्विविधम् अनुमानम् .....         | १९० |
| ३.३.६.४ व्यतिरेकव्याप्तिः न साधनाङ्गम् .....  | १९१ |
| ३.३.६.५ पुनरनुमानं द्विविधम् .....            | १९२ |
| ३.३.६.६ नास्ति पञ्चावयवनियमः .....            | १९३ |
| ३.३.६.७ अनुमानदोषाः .....                     | १९४ |
| ३.३.७ आगमः .....                              | १९४ |
| ३.३.७.१ अन्विताभिधानवादः .....                | १९६ |
| ३.३.७.२ आगमद्वैविध्यम् .....                  | १९६ |
| ३.३.७.३ आगमः पृथक्प्रमाणम् .....              | १९७ |
| ३.४ प्रमेयनिरूपणम् .....                      | १९७ |
| ३.४.१ प्रमेयाः .....                          | १९७ |
| ३.४.२ स्वतन्त्रतत्त्वम् एकमेवाद्वितीयम् ..... | १९८ |
| ३.४.३ अस्वतन्त्रतत्त्वम् .....                | १९९ |
| ३.४.४ अभावविभागः .....                        | १९९ |
| ३.४.५ भावविभागः .....                         | २०० |
| ३.४.५.१ चेतनविभागः (जीवविभागः) .....          | २०० |
| ३.४.५.१.१ सर्वे जीवाः ईश्वरप्रतिबिम्बाः ..... | २०१ |
| ३.४.५.१.२ जीवः ईश्वरस्यांशोऽपि .....          | २०२ |

|           |                                     |     |
|-----------|-------------------------------------|-----|
| ३.४.५.२   | अचेतनविभागः (जडविभागः) .....        | २०३ |
| ३.४.५.२.१ | नित्याः जडपदार्थाः.....             | २०३ |
| ३.४.५.२.२ | अनित्याः जडपदार्थाः.....            | २०३ |
| ३.४.६     | विशेषः अतिरिक्तपदार्थः.....         | २०३ |
| ३.४.७     | तत्त्वज्ञानप्रयोजनम्.....           | २०४ |
| ३.५       | बन्धः/ संसारः.....                  | २०५ |
| ३.५.१     | सृष्टिप्रकारः.....                  | २०५ |
| ३.५.२     | जीवानां देहसृष्टिक्रमः.....         | २०६ |
| ३.६       | मोक्षः मोक्षसाधनानि च.....          | २०९ |
| ३.६.१     | स्वरूपानन्दाविर्भावरूपः मोक्षः..... | २०९ |
| ३.६.२     | मोक्षेऽपि तरतमभावः.....             | २११ |

## द्वैताद्वैतदर्शनम्

|       |                                           |     |
|-------|-------------------------------------------|-----|
| ४.१   | प्रस्तावना.....                           | २१७ |
| ४.१.१ | आश्वमेधस्य मतम्.....                      | २२१ |
| ४.१.२ | औडुलोमिममतम्.....                         | २२२ |
| ४.१.३ | काशकृत्स्नमतम्.....                       | २२३ |
| ४.१.४ | भास्कराचार्यस्य मतम्.....                 | २२३ |
| ४.१.५ | भर्तृप्रपञ्चाचार्यमतम्.....               | २२४ |
| ४.१.६ | यादवप्रकाशाचार्यमतम्.....                 | २२४ |
| ४.२   | निम्बार्काचार्यस्य जन्मादिवृत्तान्तः..... | २२५ |
| ४.२.१ | दार्शनिकचिन्तनम्.....                     | २२९ |
| ४.३   | द्वैताद्वैतवादः.....                      | २३० |
| ४.३.१ | भेदस्वरूपम्.....                          | २३१ |
| ४.३.२ | नाद्वैतश्रुतिविरोधः.....                  | २३१ |
| ४.३.३ | भेदो भावरूपः.....                         | २३२ |
| ४.३.४ | ब्रह्म सविशेषं निर्विशेषमपि.....          | २३२ |

|          |                                      |     |
|----------|--------------------------------------|-----|
| ४.३.५    | भेदाभेदस्य श्रुतिमूलकत्वम् .....     | २३३ |
| ४.३.६    | ब्रह्मतादात्म्यम् .....              | २३४ |
| ४.३.७    | जगन्मिथ्यात्ववादस्य परीक्षणम् .....  | २३५ |
| ४.३.८    | भेदाभेदवादः प्राचीनतमः .....         | २३६ |
| ४.३.९    | ब्रह्म .....                         | २३७ |
| ४.३.१०   | जीवः .....                           | २३९ |
| ४.३.१०.१ | बद्धजीवः .....                       | २४२ |
| ४.३.१०.२ | मुक्तजीवः .....                      | २४२ |
| ४.३.११   | अचित् - जगत् .....                   | २४३ |
| ४.३.१२   | अवतारः .....                         | २४४ |
| ४.३.१३   | भक्तिस्वरूपम् .....                  | २४५ |
| ४.३.१३.१ | पञ्च अधिष्ठानानि .....               | २४६ |
| ४.३.१३.२ | लीलाद्वयम् .....                     | २४७ |
| ४.३.१३.३ | प्रेमभक्तिः .....                    | २४८ |
| ४.४      | द्वादशाचार्याः अष्टादशभट्टाश्च ..... | २४९ |
| ४.५      | समन्वयः .....                        | २४९ |

## शुद्धाद्वैतदर्शनम्

|       |                                                    |     |
|-------|----------------------------------------------------|-----|
| ५.१   | प्रपञ्चस्वरूपम् .....                              | २५३ |
| ५.१.१ | अभावनिरूपणम् .....                                 | २५४ |
| ५.१.२ | शुद्धाद्वैतब्रह्मवादस्य स्वरूपम् .....             | २५५ |
| ५.१.३ | विषयरूपः विषयतारूपश्च प्रपञ्चः .....               | २५६ |
| ५.१.४ | विषयताद्वैविध्यम् .....                            | २५८ |
| ५.१.५ | अधिकारिभेदेन प्रपञ्चस्य त्रिधा भानम् .....         | २५९ |
| ५.१.६ | भगवन्मूर्तिप्रत्यक्षे प्रकारभेदोपपादनम् .....      | २६० |
| ५.१.७ | देहाद्यात्मबुद्धेः अनिन्द्यत्वशङ्कायाः समाधानम् .. | २६१ |

|         |                                                                         |     |
|---------|-------------------------------------------------------------------------|-----|
| ५.१.८   | प्रपञ्चसंसारयोः भेदः शाङ्करवेदान्तेऽपि स्वीकार्यः<br>इत्युपपादनम् ..... | २६२ |
| ५.२     | जीवस्वरूपविचारः .....                                                   | २६३ |
| ५.२.१   | जीवस्य अवस्थात्रयम्.....                                                | २६४ |
| ५.२.२   | आसुरजीवानां स्वरूप-सृष्टि-स्थिति-मुक्तिनिरूपणम् .....                   | २६६ |
| ५.२.३   | दैवजीवान्तरभेदरूपाः पुष्टिजीवाः .....                                   | २६७ |
| ५.२.४   | जीवानामणुपरिमाणत्वम् .....                                              | २६८ |
| ५.२.५   | जीवव्यापकत्वनिरासः .....                                                | २६९ |
| ५.३     | मूलरूप-परब्रह्म-स्वरूपम् .....                                          | २७० |
| ५.३.१   | परब्रह्मणः स्वरूपविचारः .....                                           | २७० |
| ५.३.१.१ | श्रीकृष्णस्य बहुविधानि रूपाणि .....                                     | २७२ |
| ५.३.१.२ | अक्षरब्रह्म श्रीकृष्णस्यैव रूपान्तरम् .....                             | २७२ |
| ५.३.१.३ | पुरुषोत्तमस्य अन्तर्यामिस्वरूपम्.....                                   | २७४ |
| ५.३.२   | लीलावताराणां गुणावताराणां स्वरूपविवेचना...                              | २७५ |
| ५.३.३   | मूलरूपस्य चातुर्विध्यम् .....                                           | २७६ |
| ५.३.४   | पुष्टिभक्तिस्वरूपम् .....                                               | २७७ |
| ५.४     | प्रमाणस्वीकारः .....                                                    | २७८ |
| ५.४.१   | अविकृतपरिणामवादः .....                                                  | २७९ |
| ५.५     | उपसंहारः .....                                                          | २८० |

## अचिन्त्यभेदाभेददर्शनम्

|       |                                               |     |
|-------|-----------------------------------------------|-----|
| ६.१   | प्रस्तावना.....                               | २८३ |
| ६.१.१ | श्रीचैतन्यमहाप्रभुः (सम्प्रदायप्रवर्तकः)..... | २८३ |
| ६.२   | प्रमुखा आचार्याः .....                        | २८७ |
| ६.२.१ | श्रीरूपगोस्वामी .....                         | २८७ |
| ६.२.२ | श्रीसनातनगोस्वामी .....                       | २८९ |
| ६.२.३ | श्रीजीवगोस्वामी - (१५१३-१५९८ A.D.).....       | २९० |

|         |                                                 |     |
|---------|-------------------------------------------------|-----|
| ६.२.४   | श्रीकृष्णदासकविराजगोस्वामी.....                 | २९१ |
| ६.२.५   | श्रीविश्वनाथचक्रवर्ती .....                     | २९१ |
| ६.२.६   | श्रीबलदेवविद्याभूषणः.....                       | २९३ |
| ६.२.७   | भक्तिवेदान्तस्वामिप्रभुपादः .....               | २९४ |
| ६.३     | प्रमाणनिर्णयः.....                              | २९६ |
| ६.३.१   | प्रमाणशब्दार्थः.....                            | २९६ |
| ६.३.२   | स्वीकृता प्रमाणसंख्या तेषु बलाबलत्वविचारश्च...  | २९८ |
| ६.३.३   | शब्दप्रमाणप्राबल्यम् .....                      | ३०० |
| ६.३.४   | वेदार्थनिर्णायकानि पुराणानि .....               | ३०१ |
| ६.३.५   | पुराणेषु अपि श्रीमद्भागवतस्य सर्ववरीयस्त्वम्... | ३०४ |
| ६.३.६   | श्रीमद्भागवतस्य परप्रामाण्यम् .....             | ३०६ |
| ६.४     | प्रमेयविचारः.....                               | ३०८ |
| ६.४.१   | प्रमेयशब्दार्थः.....                            | ३०८ |
| ६.४.२   | ईश्वरः .....                                    | ३११ |
| ६.४.२.१ | तस्य शक्तयः.....                                | ३१३ |
| ६.४.२.२ | श्रीहरेः स्वरूपम् .....                         | ३१५ |
| ६.४.३   | जीवः .....                                      | ३१७ |
| ६.४.३.१ | जीवस्य भगवच्छक्तित्वम्.....                     | ३१७ |
| ६.४.३.२ | जीवस्य अणुत्वम् .....                           | ३१९ |
| ६.४.३.३ | जीवस्य भगवद्दासत्वम् .....                      | ३२० |
| ६.४.४   | प्रकृतिः.....                                   | ३२० |
| ६.४.५   | कालः .....                                      | ३२३ |
| ६.४.६   | कर्म.....                                       | ३२५ |
| ६.५     | मोक्षः .....                                    | ३२८ |
| ६.५.१   | मोक्षसाधनानि.....                               | ३३२ |
| ६.६     | अचिन्त्यभेदाभेददर्शनस्य वैशिष्ट्यम् .....       | ३३७ |
| ६.६.१   | दर्शनस्यास्य वैज्ञानिकत्वम् .....               | ३३७ |

|       |                                                |     |
|-------|------------------------------------------------|-----|
| ६.६.२ | अचिन्त्यत्वस्य लक्षणं तत्प्रामाणिकत्वञ्च ..... | ३३९ |
| ६.६.३ | दर्शनेऽस्मिन् साधनस्य सर्वसौलभ्यम् .....       | ३४२ |
| ६.६.४ | दर्शनस्यास्य प्रासङ्गिकता उपसंहारश्च .....     | ३४३ |

## भगवत्स्वामिनारायणप्रबोधितम् अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनम्

|         |                                                                         |     |
|---------|-------------------------------------------------------------------------|-----|
| ७.१     | प्रस्तावना.....                                                         | ३४९ |
| ७.२     | तत्त्वपञ्चकम् .....                                                     | ३५० |
| ७.२.१   | अक्षरब्रह्म .....                                                       | ३५१ |
| ७.२.१.१ | चत्वारि स्वरूपाणि .....                                                 | ३५१ |
| ७.२.२   | परब्रह्मपुरुषोत्तमः .....                                               | ३५३ |
| ७.२.३   | माया .....                                                              | ३५४ |
| ७.२.४   | जीवः .....                                                              | ३५५ |
| ७.२.५   | ईश्वरः .....                                                            | ३५६ |
| ७.३     | अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनप्रतिपादकानि शास्त्राणि .....                       | ३५६ |
| ७.३.१   | वैदिकशास्त्राणि .....                                                   | ३५६ |
| ७.३.२   | वचनामृतम् .....                                                         | ३५७ |
| ७.३.३   | गुरुपरम्परोपदेशग्रन्थाः .....                                           | ३५८ |
| ७.३.४   | जीवनचरित्रोपदेशशास्त्राणि .....                                         | ३५८ |
| ७.३.५   | श्रीप्रमुखस्वामिमहाराजैः स्वहस्ताक्षरैर्लिखितं<br>सिद्धान्तपत्रम् ..... | ३५८ |
| ७.३.६   | प्रस्थानत्रयीस्वामिनारायणभाष्यम् .....                                  | ३५९ |
| ७.३.७   | स्वामिनारायणसिद्धान्तसुधा .....                                         | ३५९ |
| ७.३.८   | अक्षरपुरुषोत्तमसंहिता .....                                             | ३६० |
| ७.३.९   | सत्सङ्गदीक्षा .....                                                     | ३६० |
| ७.३.१०  | अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनसरलाऽवगमोपयुक्ताः केचन<br>शास्त्रसन्दर्भाः .....    | ३६१ |

|                                 |                                            |     |
|---------------------------------|--------------------------------------------|-----|
| ७.३.१०.१                        | वचनामृतसन्दर्भाः .....                     | ३६१ |
| ७.३.१०.२                        | श्रुतिसन्दर्भाः .....                      | ३६३ |
| ७.३.१०.३                        | भगवद्गीतासन्दर्भाः .....                   | ३६३ |
| ७.३.१०.४                        | ब्रह्मसूत्रसन्दर्भाः .....                 | ३६४ |
| ७.३.१०.५                        | स्वामिनारायणभाष्यसन्दर्भाः .....           | ३६४ |
| <b>७.४ साधननिरूपणम्</b> .....   |                                            | ३६६ |
| ७.४.१                           | ब्राह्मी स्थितिः .....                     | ३६७ |
| ७.४.२                           | भक्तिः .....                               | ३६९ |
| ७.४.३                           | परमात्मनः कृपासाध्यत्वम् .....             | ३७१ |
| ७.४.४                           | भगवदाश्रयः .....                           | ३७२ |
| ७.४.५                           | सत्सङ्गः .....                             | ३७२ |
| ७.४.६                           | सर्वेषां सत्सङ्गेऽधिकारः .....             | ३७३ |
| ७.४.७                           | अक्षरपुरुषोत्तमदर्शने गुरोः स्थानम् .....  | ३७४ |
| <b>७.५ मुक्तिविचारः</b> .....   |                                            | ३७५ |
| ७.५.१                           | बन्धनस्वरूपम् .....                        | ३७५ |
| ७.५.२                           | मुक्तिस्वरूपम् .....                       | ३७६ |
| ७.५.२.१                         | द्विविधा मुक्तिः .....                     | ३७६ |
| ७.५.२.१.१                       | जीवन्मुक्तिः .....                         | ३७६ |
| ७.५.२.१.२                       | विदेहमुक्तिः .....                         | ३७८ |
| ७.५.२.१.२.१                     | मुक्तात्मविग्रहादिवर्णनम् .....            | ३७९ |
| <b>७.६ प्रमाणनिरूपणम्</b> ..... |                                            | ३८१ |
| ७.६.१                           | अक्षरपुरुषोत्तमदर्शने प्रमाणनिरूपणम् ..... | ३८१ |
| ७.६.२                           | प्रमाणसंख्या .....                         | ३८२ |
| ७.६.३                           | प्रत्यक्षम् .....                          | ३८३ |
| ७.६.४                           | अनुमानम् .....                             | ३८४ |
| ७.६.५                           | उपमानम् .....                              | ३८५ |
| ७.६.६                           | शब्दः .....                                | ३८६ |

|                                                                       |            |
|-----------------------------------------------------------------------|------------|
| ७.६.६.१ शास्त्रार्थज्ञाने गुरोरनिवार्यता .....                        | ३८८        |
| ७.६.७ अवशिष्टप्रमाणानि .....                                          | ३८९        |
| ७.६.८ ख्यातिविमर्शः .....                                             | ३८९        |
| <b>७.७ परम्परापरिचयः .....</b>                                        | <b>३९०</b> |
| ७.७.१ अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनस्य प्रबोधकः<br>परब्रह्मस्वामिनारायणः ..... | ३९०        |
| ७.७.२ अक्षरब्रह्मस्वरूपगुरुपरम्परा .....                              | ३९३        |
| ७.७.२.१ श्रीगुणातीतानन्दस्वामिमहाराजः (सन १७८४-१८६७) .                | ३९३        |
| ७.७.२.२ ब्रह्मस्वरूपश्रीभगतजीमहाराजः (सन १८२९-१८९७)..                 | ३९४        |
| ७.७.२.३ ब्रह्मस्वरूपशास्त्रिमहाराजः (सन १८६५-१९५१) .....              | ३९४        |
| ७.७.२.४ ब्रह्मस्वरूपयोगिमहाराजः (सन १८९२-१९७१).....                   | ३९५        |
| ७.७.२.५ ब्रह्मस्वरूपप्रमुखस्वामिमहाराजः (सन १९२१-२०१६) ..             | ३९६        |
| ७.७.२.६ प्रकटब्रह्मस्वरूपमहन्तस्वामिमहाराजः (सन १९३३)..               | ३९७        |
| <b>७.८ उपसंहारः .....</b>                                             | <b>३९९</b> |